भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2813 का उत्तर

रेलगाड़ियों में सामान्य श्रेणी के अतिरिक्त डिब्बे

2813. श्री राकेश राठौर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में पिछले दस वर्षों के दौरान चलने वाली रेलगाड़ियों में सांमान्य श्रेणी के डिब्बों की कुल संख्या का वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पिछले कुछ वर्षों में सामान्य श्रेणी के डिब्बों की संख्या में कुछ कमी आई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले दस वर्षों के दौरान रेल के बेड़े में वर्ष-वार सामान्य श्रेणी के कुल कितने नए डिब्बे जोड़े गए हैं;

(घ) क्या सरकार को पता है कि सामान्य श्रेणी के डिब्बों में अत्यधिक भीड़ के कारण बड़ी संख्या में आम नागरिक रेल यात्रा करने से चूक जाते हैं और साथ ही यात्रा करने वाले यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और कभी-कभी ऐसी भीड़-भाड़ वाली बोगियों में यात्रा करने के कारण उनकी जान को भी जोखिम होता है; और

(ङ) यदि हाँ, तो सरकार इस समस्या के समाधान के लिए क्या प्रयास कर रही है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल ने सामान्य/शयनयान श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ही, विभिन्न लंबी दूरी की गाड़ियों में साधारण श्रेणी के 1250 सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों की यात्रा संबंधी मांग को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने अगले 5 वर्षों में 17,000 अवातानुकूलित सवारी डिब्बों (साधारण/शयनयान) का कार्य शुरू किया है।

भारतीय रेल में, 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार अवातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रतिशत लगभग 70% है, जैसा नीचे दर्शाया गया है:

तालिका 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (साधारण श्रेणी और शयनयान)	**लगभग 57,200**	**लगभग 70%**
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	**लगभग 25,000**	**लगभग 30%**
कुल सवारी डिब्बे	**लगभग 82,200**	**100%**

अवातानुकूलित सवारी डिब्बों की संख्या 2013-14 में लगभग 48,500 से बढ़कर 2024-25 में 57,200 हो गई है।

साधारण श्रेणी वाले सवारी डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, साधारण श्रेणी/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जैसा निम्नानुसार दर्शाया गया है:

तालिका 2: साधारण श्रेणी/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

वर्ष	**यात्रियों की संख्या**
2020-21	**99 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2021-22	**275 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2022-23	**553 करोड़**
2023-24	**609 करोड़**
2024-25	**651 करोड़**

पिछले कुछ वर्षों में अवातानुकूलित यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

अवातानुकूलित सीटें	लगभग 54 लाख	लगभग 78%
वातानुकूलित सीटें	लगभग 15 लाख	लगभग 22%
कुल	लगभग 69 लाख	100%

उपरोक्त आँकड़ों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि भारतीय रेल उन कम और मध्यम आय वाले परिवारों के लिए प्रतिबद्ध है जो रेलवे को परिवहन के एक किफायती साधन के रूप में वरीयता देते हैं।

<u>अमृत भारत एक्सप्रेस:</u>

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नामक एक पूर्णतः अवातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ी विकसित की है। इस रेलगाड़ी की 14 सेवाएँ पहले से ही परिचालन में हैं, अमृत भारत की मौजूदा संरचना में 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे, 1 रसोई यान और 2 सामान-सह-दिव्यांगजन सवारी डिब्बे होते हैं।

उच्च गति और उन्नत संरक्षा मानक इस रेलगाड़ी की पहचान हैं, जिसमें निम्नलिखित उन्नत विशेषताएं और सुविधाएं हैं:

i. वंदे भारत स्लीपर के समान उन्नत रूप और अनुभव के साथ सीट और बर्थ का बेहतर सौंदर्यीकरण।
ii. झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर्स।
iii. क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।
iv. सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
v. शौचालयों की बेहतर डिज़ाइन।
vi. बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी की बेहतर डिज़ाइन।

vii. बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।

viii. ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।

ix. शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली।

x. यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।

xi. यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संचार के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।

xii. उन्नत तापन क्षमता वाला अवातानुकूलित रसोईयान।

xiii. आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित निस्तारण तंत्र के साथ पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का विकास, मेमू रेलगाड़ियों का निर्माण और सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बों की हिस्सेदारी में वृद्धि स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि भारतीय रेल सामान्य श्रेणी में यात्रा की मांग को प्रभावी ढंग से पूरा कर रही है।

इसके अतिरिक्त, अनारक्षित स्थान प्राप्त करने के इच्छुक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल द्वारा किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित अवातानुकूलित यात्री गाड़ियों/मेमू/ईएमयू आदि का परिचालन किया जाता है, जो मेल/एक्सप्रेस सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित स्थान (सवारी डिब्बों) के अतिरिक्त हैं।

<u>मानक संरचना:</u>

सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान उपलब्ध कराने हेतु, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना के बारे में मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों की एक रेलगाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी व शयनयान श्रेणी के अवातानुकूलित सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है।

<u>स्पेशल ट्रेन</u>:

वर्ष 2024 और 2025 के दौरान होली और ग्रीष्मावकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए प्रतिवर्ष विशेष रेलगाड़ियों के लगभग 13,500 फेरों का संचालन किया गया। दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ के दौरान होने वाली भीड़ को देखते हुए, 1 अक्टूबर, 2024 से 30 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान लगभग 1.8 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए स्पेशल ट्रेन के 7,990 फेरे लगाए गए।

हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए, भारतीय रेल ने 13 जनवरी, 2025 से 28 फरवरी, 2025 की अवधि के दौरान 17,300 से अधिक गाड़ियों का परिचालन किया, जिससे लगभग 4.24 करोड़ यात्रियों को सेवित किया गया।

भारतीय रेल पर, गाड़ियों में यात्रियों की अधिभोगिता पूरे वर्ष एकसमान नहीं रहती और यह कम व्यस्त और व्यस्त समय के दौरान बदलती रहती है। व्यस्त अवधि के दौरान, विशेष रूप से अधिक मांग वाले मार्गों पर गाड़ियों की पूर्ण अधिभोगिता होती हैं, जबकि कम व्यस्त समय और कम मांग वाले मार्गों पर, गाड़ियों में स्थान का कम अधिभोगिता होती है।

भारतीय रेल पर परिचालित की जाने वाली गाड़ियों के यातायात पैटर्न की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन, मौजूदा गाड़ियों की संख्या बढ़ायी जाती है, स्पेशल गाड़ियां चलाई जाती हैं, नई गाड़ियां शुरू की जाती हैं, मौजूदा गाड़ियों के फेरे बढ़ाए जाते हैं।

*****